Page No.
Date: / /

शैक्षिक तकनीकि के विभिन्न रूप एवं प्रकार

ए.ए. लुम्सडीन → (1964) के प्रयासों को अधिक मान्यता प्राप्त हुई। उनके अनुसार शैक्षिक तकनीकि की सुविधा की दृष्टि से निम्न तीन मुख्य प्रकारों या उपागमों में विभाजित किया।

(1) शैक्षिक तकनीकि प्रथम अथवा हार्डवेयर उपागम।

(2) " द्वितीय उपागम अथवा सॉफ्टवेयर उपागम।

(3) शैक्षिक तकनीकि का ~~का~~ तृतीय उपागम

(1) प्रथम अथवा हार्डवेयर उपागम

इस प्रकार की शैक्षिक तकनीकि का उद्गम स्रोत भौतिक विज्ञानों और अभियान्त्रिकी (Engineering) में है और इसके आधार पर 'सेवा' से सम्बन्धित सम्प्रत्यय है

सिलवर मैन - 1968) के अनुसार इस प्रकार की शैक्षिक तकनीकि शिक्षा में तकनीकि, सम्प्रत्यय के अर्थों में प्रयुक्त होती है।

इस तरह विज्ञान और तकनीकि शिक्षा में तकनीकि, सम्प्रत्यय के अर्थों में प्रयुक्त होती है। इस तरह विज्ञान और तकनीकि प्रगति में शिक्षण-कार्यों के सम्पादन हेतु कुछ भी विकसित साधन, उपकरण, माध्यम और मशीनों आदि की सहायता ली जाती है। उन सभी को इस प्रकार की शैक्षिक तकनीकि के अन्तर्गत शामिल किया जाता है।

एक अध्यापक जब एक विद्यालय के विशाल हॉल अथवा प्रांगण में अपनी आवाज सभी विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए माइक्रोफोन का प्रयोग करता है। तब उस समय इसी प्रकार की शैक्षिक तकनीकि का उपयोग कर रहा होता है। इसी तरह दृश्य श्रव्य सहायक सामाग्री जैसे- चार्ट, चित्र, मॉडल, फिल्म, स्ट्रिप कैसेट आदि और मशीनी उपकरण जैसे- रेडियो, टेलीविजन, टेप रिकार्डर प्रोजेक्टर, रिकार्ड प्लेयर, विडियो शिक्षण मशीन और कम्प्युटर आदि का उपयोग इसी प्रकार की तकनीकि में आती है।

इस तकनीकि ने शिक्षा जगत में क्रान्तिकारी परिवर्तन लाने की भूमिका निभाई है। व्यापक स्तर पर जन संपर्क करने और शिक्षा सुविधाएँ एवं लाभों को दूर - दूर तक

Page No.
Date: / /

शैक्षिक तकनीकि का सम्प्रत्यय ⇒ जैसा कि पहले संकेत किया जा चुका है, शैक्षिक तकनीकि एक विषद और व्यापक सम्प्रत्यय है। इसके विशाल स्वरूप से परिचित होने के लिए हमें इस पर तीन दृष्टि कोणा से विचार करना होगा

(I) शैक्षिक तकनीकी के सम्प्रत्यय का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
(II) शैक्षिक तकनीकी के सम्प्रत्यय का वर्तमान स्वरूप
(III) - शैक्षिक तकनीकी और अन्य सम्बन्धित सम्प्रत्यय

(I) शैक्षिक तकनीकी के सम्प्रत्यय का ऐतिहासि सम्प्रत्यय → शैक्षिक तकनीकी का सम्प्रत्यय विभिन्न समयों में उनको प्रयोग और समझे जाने वाले अर्थ के अनुरूप परिवर्तित होता रहा है।
जैसे - अपनी प्रारम्भिक अवस्था में शैक्षिक तकनीकि का प्रयोग पारम्परिक दृश्य - श्रव्य साधनों (चार्ट, चित्र, मॉडल, नमूने और स्थूल सामाग्री) के उपयोग तक ही सीमित था। अतः इस अवस्था में शैक्षिक तकनीकी

Page No.
Date: / /

को दृश्य-श्रव्य सामग्री के पर्याय के रूप में मान्यता दी जाती रही। विज्ञान और तकनीकी के परिणाम स्वरूप टेप-रिकॉर्डर, माइक्रोफोन प्रोजेक्टर, फोटोग्राफी, रेडियो, टेलीविजन शिक्षण मशीन, कम्प्यूटर आदि सूक्ष्म और प्रभावशाली उपकरणों का अस्तित्व प्रकाश में आया और इनका शिक्षा जगत में प्रयोग होने लगा। धीरे धीरे इन मशीनी उपकरणों और उनके प्रयोग को ही शैक्षिक तकनीकी समझा जाने लगा।

शैक्षिक तकनीकी के सम्प्रत्यय को अलग-अलग रूप तब मिला जब प्रगतिशील संचार साधनों और जन सम्पर्क माध्यमों को शिक्षा के साधन के रूप में उपयोग किया जाने लगा। रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा और कम्प्यूटर आदि साधनों पर आधारित औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षण को शैक्षिक तकनीकी के इस स्वरूप का ही परिणाम समझा जा सकता है। इस प्रकार जन सम्पर्क माध्यमों अथवा सम्प्रेषण साधनों को ही शैक्षिक तकनीकी समझे जाने की परम्परा विकसित हुई।

Page No.
Date: / /

(11) शैक्षिक तकनीकी के सम्प्रत्यय का वर्तमान स्वरूप ⇒ उपर्युक्त में हमने देखा कि शैक्षिक तकनीकि के अर्थ एवं प्रयोगों में समय-समय पर परिवर्तन आते गये और उसका सीमित एवं संकुचित अर्थ लगाया जाता रहा है। शैक्षिक तकनीकी के सम्प्रत्यय की इस प्रकार की छाप अभी तक व्याप्त है जिसका कार्य क्षेत्र अथवा व्यवसाय से कोई सम्बन्धित है अथवा शैक्षिक तकनीकी के जिस रूप का उपयोग कोई अपने कार्यों में कर रहा है। वह शैक्षिक तकनीकि के सम्प्रत्यय को उसी संकुचित अर्थ में ग्रहण करने करने पर जोर देता है। वो व्यक्ति जो दृश्य श्रव्य साधनों से सम्बन्धित है शैक्षिक तकनीकी को दृश्य श्रव्य साधनों का पर्याय पर्याय मानते हैं। जब समय के माध्यमों के विशेषज्ञ और सम्प्रेषण तकनीकी से सम्बन्धित व्यक्ति शैक्षिक तकनीकी को जन समय के माध्यमों और सम्प्रेषण साधनों के रूप में देखते हैं। अभिक्रमित अनुदेशन सामाग्री तैयार करने वाले इस सामाग्री से स्वयं-शिक्षा ग्रहण करने और इस सामाग्री से स्वयं

Page No.
Date: / /

दूसरे शब्दों में, शैक्षिक तकनीकी को शिक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त प्रणाली उपागम के उस प्रारूप की संज्ञा दी जा सकती है जिसके द्वारा शिक्षा के व्यापक उद्देश्यों और उपलब्ध शिक्षण साधनों के संदर्भ में एक उपयुक्त शैक्षिक प्रणाली का संगठन किया जा सके।

शैक्षिक तकनीकी का यह स्वरूप अपने आप में काफी विस्तृत अर्थ संजोए हुए है। इसके अंतर्गत शिक्षा जगत की विविध समस्याओं के समाधान के लिए प्रणाली उपागम का प्रयोग करने बात सोची जाती है। इस प्रकार की समस्याओं के क्षेत्र और विषयों का रूप निम्न हो सकता है—

(1) शिक्षा का नियोजन और आयोजन
(2) अधिगम का मनोविज्ञान
(3) पाठ्यक्रम निर्माण और विभिन्न अध्यापन कोर्सों का निर्धारण।
(4) शिक्षण अधिगम सामग्री का उत्पादन उपयोग, देखभाल, एवं सुरक्षा
(5) शिक्षा के विभिन्न माध्यमों और उपकरणों के परिणाम का व्यय अनुपात में मूल्यांकन करना।
(6) शिक्षा के क्षेत्र में नवीन अनुसन्धान और प्रयोग
(7) मूल्यांकन।

Page No.
Date : / /

(iii) शैक्षिक तकनीकी और अन्य सम्बन्धित सम्प्रत्यय ⇒

शैक्षिक तकनीकी के सम्प्रत्यय को और अधिक स्पष्ट करने के लिए हम इसे कुछ मिलते-जुलते अन्य सम्प्रत्ययों से अलग करके देखने का प्रयास करेंगे।

(1) शैक्षिक तकनीकी एवं अनुदेशनात्मक तकनीकी →

इन दोनो को एक दूसरे का पर्यायवाची नहीं समझा जाना चाहिए शैक्षिकी एक विशाल और व्यापक सम्प्रत्यय है और अनुदेशनात्मक तकनीकी उसका हिस्सा। शिक्षा की प्रक्रिया व्यापक है और अनुदेशन, शिक्षा प्रक्रिया की विभिन्न शैलियों में एक का प्रतिनिधित्व करती है इस प्रकार अनुदेशनात्मक तकनीकी को शैक्षिक तकनीकी प्रणाली की एक उप-प्रणाली ही समझा जाना चाहिए।

अनुदेशनात्मक तकनीकी का उद्देश्य शिक्षार्थी को इस प्रकार के उचित अनुभव और उद्दीपन प्रदान करना है जिनके माध्यम से अनुकूल अनुक्रियाओं का सृजन कर अधिक से अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके।

21/04/21